ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 16 सितम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 142

PF की बेसिक सैलरी सीमा 15 हजार से बढ़कर 25 हजार, 51 लाख कर्मचारियों को मिलेगा फायदा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने कर्मचारियों के भविष्य निधि (PF) को लेकर बड़ा फैसला किया है। PF के लिए बेसिक सैलरी की सीमा 15,000 से बढ़ाकर 25,000 कर दी गई है। नई सीमा बेसिक सैलरी और DA पर लागू होगी, पूरी ग्रॉस सैलरी या CTC पर नहीं। सरकार के मुताबिक, इस बदलाव से करीब 51 लाख नए कर्मचारियों को PF बचत और पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सकेगा। मौजूदा व्यवस्था में 15,000 तक की बेसिक सैलरी पर PF के दायरे में आने वाले कर्मचारियों की सीमा अब बढ़कर 25,000 होगी। इससे EPF के साथ EPS और EDLI जैसी योजनाओं का दायरा भी बढ़ेगा। इससे पहले 2014 में यह सीमा 6,500 से बढ़ाकर 15,000 की गई थी।

20 हजार बेसिक+DA है तो PF जरूरी

उदाहरण के तौर पर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और DA मिलाकर 20,000 है तो नई 25,000 की सीमा के तहत PF लागू होगा। 12% कर्मचारी अंशदान के हिसाब से हर महीने 2,400 कर्मचारी की ओर से और 2,400 नियोक्ता की ओर से जमा होगा। वहीं यदि बेसिक सैलरी और DA 30,000 है तो 25,000 की अनिवार्य सीमा से अधिक होने के कारण पूरी 30,000 राशि पर PF कटौती अनिवार्य नहीं होगी। कंपनी और कर्मचारी की व्यवस्था के अनुसार 25,000 की सीमा तक या पूरी राशि पर PF योगदान किया जा सकता है।

EPF के साथ पेंशन और बीमा का भी लाभ

नई व्यवस्था से कर्मचारियों को मुख्य रूप से 3 सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलेगा'EPF, जिसमें रिटायरमेंट के लिए नियमित बचत होती है; EPS, जिसके तहत पेंशन का प्रावधान है; और EDLI, जो EPF सदस्यों से जुड़ा जीवन बीमा कवर प्रदान करता है। सरकार के अनुसार EPFO में करीब 7.98 करोड़ योगदान देने वाले सदस्य, 7.68 लाख योगदान देने वाले संस्थान और करीब 82 लाख EPS पेंशनर्स हैं।

सरकार का खर्च भी बढ़ेगा

इस बदलाव से सरकार का सालाना वित्तीय भार करीब 10,250 करोड़ से बढ़कर 11,339 करोड़ होने का अनुमान है। अगले 5 साल में कुल अनुमानित खर्च करीब 56,696 करोड़ बताया गया है। फाइनेंस कमेटी (EFC) ने 16 जून 2026 की बैठक में इसकी सिफारिश की थी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और EPFO को इसे लागू करने के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। अधिसूचना जारी होने के बाद नई व्यवस्था प्रभावी होगी।

अरब सागर में भारतीय-पाकिस्तानी नौसेना के जहाज टकराए, भारत ने जताया कड़ा विरोध

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। उत्तर अरब सागर में मंगलवार शाम भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत और पाकिस्तानी नौसेना के जहाज PNS हुनैन के बीच टक्कर हो गई। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार भारतीय जहाज नियमित निगरानी मिशन पर था, इसी दौरान पाकिस्तानी जहाज ने असुरक्षित तरीके से दिशा बदली और दोनों जहाजों की टक्कर हो गई। भारत ने घटना को "अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर" बताते हुए नई दिल्ली में पाकिस्तान के चार्ज डी'अफेयर्स को तलब कर विरोध दर्ज कराया। भारतीय पक्ष के अनुसार घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। PNS हुनैन को नुकसान पहुंचने की खबर है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि समुद्र में सैन्य जहाजों को सुरक्षित तरीके से संचालन करना चाहिए और दोनों देशों के बीच 1991 के समझौते का पालन होना चाहिए। 2011 में भी INS गोदावरी और PNS बाबर के बीच समुद्र में टक्कर हुई थी, जिस पर भारत ने पाकिस्तान के जहाज की जोखिम भरी गतिविधियों को लेकर विरोध दर्ज कराया था।

मंडियों में प्याज के थोक भाव 9% तक गिरे, जल्द रिटेल कीमतों में भी राहत के संकेत

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। देशभर की मंडियों में पिछले 9 दिनों में प्याज की थोक कीमतों में 9% तक की गिरावट दर्ज की गई है। थोक बाजार में नरमी के बाद अब आने वाले दिनों में खुदरा कीमतों में भी कमी आने की उम्मीद है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि देश में प्याज की पर्याप्त उपलब्धता है। सरकार 48 शहरों में ₹35 प्रति किलो की दर से प्याज उपलब्ध करा रही है। मंगलवार को देश में प्याज की औसत खुदरा कीमत ₹53.92 प्रति किलो रही, जो एक महीने पहले से करीब 48% और पिछले साल की समान अवधि से 94% अधिक है। सरकार NCCF, NAFED और केंद्रीय भंडार के आउटलेट के अलावा मोबाइल वैन के जरिए भी सस्ता प्याज बेच रही है। कीमतों पर नियंत्रण के लिए 1.21 लाख टन के बफर स्टॉक से प्याज बाजार में उतारा जा रहा है। 24 अगस्त से इसकी सप्लाई शुरू की गई है। मंडियों तक तेजी से पहुंचाने के लिए रेलवे की विशेष मालगाड़ियों 'कांदा एक्सप्रेस' का भी इस्तेमाल हो रहा है। अगस्त में प्याज की महंगाई दर बढ़कर 48.27% हो गई, जबकि जुलाई में यह 22.54% थी। अगस्त-सितंबर में त्योहारों के कारण मांग बढ़ने, बारिश से सप्लाई प्रभावित होने और पुरानी फसल का स्टॉक घटने के कारण आमतौर पर प्याज के दाम बढ़ते हैं।

एनसीसी कैंप में कैडेट्स को वायुसेना भर्ती की जानकारी, अग्निवीरवायु से अधिकारी पदों तक समझाई चयन प्रक्रिया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 सितंबर। पैसिफिक विश्वविद्यालय में चल रहे 6 राज एयर एनसीसी यूनिट के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैरियर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें एनसीसी कैडेट्स को भारतीय वायुसेना में अग्निवीरवायु और अधिकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया, योग्यता और चयन के विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई। 5 वायुसेना चयन केंद्र, जोधपुर की कमान अधिकारी विंग कमांडर नैनसी माहेश्वरी के दिशा-निर्देशन में हुए कार्यक्रम में जूनियर वारंट अफसर एएम मुथू और अंकित ने कैडेट्स को भर्ती प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने शैक्षणिक योग्यता, परीक्षा पैटर्न और चयन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए नियमित मेहनत के लिए प्रेरित किया। अधिकारी पदों के साथ अग्निवीरवायु भर्ती से जुड़े मानदंड भी समझाए गए। बताया गया कि अग्निवीरवायु भर्ती के लिए अधिकतम आयु सीमा 21 से बढ़ाकर 22 वर्ष की गई है। 12वीं में 50% अंक और अंग्रेजी में न्यूनतम 50% अंक वाले अभ्यर्थी भर्ती संबंधी जानकारी वायुसेना के भर्ती पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। कैडेट्स को यह भी बताया गया कि एनसीसी के ए, बी और सी प्रमाण पत्र भर्ती प्रक्रिया में अतिरिक्त अंकों के लिए उपयोगी होते हैं। कार्यक्रम में कैडेट्स के सवालों के जवाब दिए गए और प्रश्नोत्तरी में सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान कैडेट्स को नैतिक मूल्यों, विद्यार्थी जीवन की जिम्मेदारियों तथा माता-पिता, शिक्षकों और देश-समाज के प्रति दायित्वों के निर्वहन के लिए भी प्रेरित किया गया। 6 राज एयर एनसीसी के कमान अधिकारी विंग कमांडर नटराज डागुर, यूनिट स्टाफ और बड़ी संख्या में कैडेट्स मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जूनियर वारंट अफसर एएम मुथू ने किया। विंग कमांडर नटराज डागुर ने वायुसेना चयन केंद्र जोधपुर की टीम का आभार जताया।

लॉस एंजिल्स में NBC न्यूज का हेलिकॉप्टर क्रैश, 3 की मौत

24 न्यूज अपडेट

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में मंगलवार शाम NBC न्यूज का हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार पायलट जॉर्ज मार्सिनिव और एरियल फोटो जर्नलिस्ट एलियाना मोरेनो समेत 3 लोगों की मौत हो गई। जमीन पर मौजूद एक व्यक्ति की भी जान चली गई। हेलिकॉप्टर एक बस और SUV की टक्कर की खबर की कवरेज के लिए गया था। हादसे के बाद NBC लॉस एंजिल्स ने अपनी लाइव कवरेज रोक दी। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार 2 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, हालांकि उनकी स्थिति की जानकारी नहीं दी गई है। हेलिकॉप्टर सैन फर्नांडो वैली के चैट्सवर्थ इलाके में एक सेल्फ-स्टोरेज फैसिलिटी की पार्किंग में गिरा। दुर्घटना के बाद उसमें आग लग गई और आसपास खड़ी कुछ गाड़ियां भी इसकी चपेट में आ गईं। NBC एंकर कोलीन विलियम्स

ने बताया कि हेलिकॉप्टर से करीब शाम 7 बजे संपर्क टूट गया था।

अनंत नाग को मिलेगा दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, 22 सितंबर को होगा सम्मान

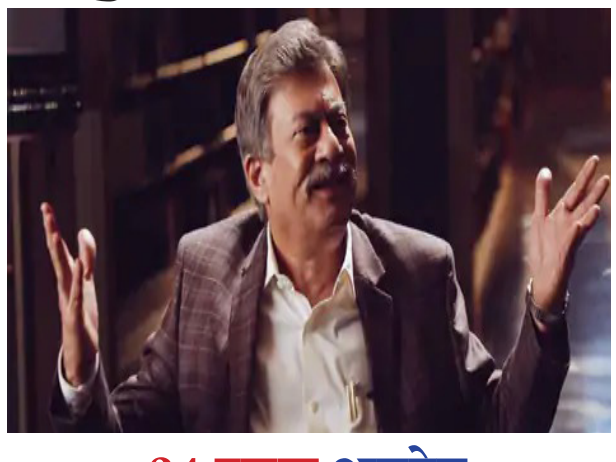

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया जाएगा। प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो (PIB) ने बुधवार को इसकी घोषणा की। 22 सितंबर को गुजरात के केवडिया में होने वाले 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अनंत नाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कई दशकों तक अपने सहज अभिनय और बहुमुखी प्रतिभा से अनंत नाग ने भारतीय सिनेमा, खासकर कन्नड़ फिल्म जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है। अनंत नाग को हिंदी और कन्नड़ सिनेमा के दर्शक 'KGF: Chapter 1 (2018) के आनंद इंगलागी के किरदार के लिए भी जानते हैं। फिल्म में उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार और लेखक की भूमिका निभाई थी। उनका किरदार कहानी के सूत्रधार के रूप में रॉकी और KGF की पूरी कहानी दर्शकों के सामने रखता है। उनकी गंभीर आवाज और कहानी कहने की शैली फिल्म के अहम हिस्सों में शामिल रही।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें - desk24newsupdate@gmail.com
Wathsapp : 8852073787

संपादकीय : महंगाई की मार

वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इसका सबसे ज्यादा असर समाज के उस वर्ग पर पड़ता है, जिसकी आय कम होती है और संसाधनों का दायरा भी सीमित होता है। भोजन कपड़े मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आवश्यकताओं पर बढ़ता खर्च इन परिवारों के बजट को बिगाड़ देता है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी महंगाई के आंकड़ों से साफ है कि आम लोगों को अब रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के लिए अपनी जेब और ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है। खाद्य, ईंधन एवं विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से अगस्त में थोक महंगाई बढ़कर 9.92 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई 4.82 फीसद पर पहुंच गई है। इससे पिछले माह जुलाई में यह क्रमशः 9.78 फीसद और 4.45 फीसद थी। जनवरी से लागू 2024 आधार वर्ष वाली नई श्रृंखला के बाद से अगस्त की खुदरा महंगाई का यह आंकड़ा अब तक का सबसे अधिक है। यही नहीं, अगले माह से यूपीआइ के जरिए दो हजार रुपए से अधिक की राशि के भुगतान पर भी शुल्क लगेगा। सरकार की ओर से मंगलवार को तय की गईं शुल्क दरों में हालांकि आम लोगों के बीच यूपीआइ से लेन-देन को इससे बाहर रखा गया है, लेकिन अन्य सरकारी एवं निजी सेवाओं के लिए भुगतान पर शुल्क देना होगा। यानी आम आदमी को अब महंगाई की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशः 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों में वस्तुओं के दाम ज्यादा बढ़े हैं, जहां लोगों की आय सीमित होती है। प्याज की महंगाई दर का जुलाई के 22.54 फीसद की तुलना में अगस्त में उछलकर 48.27 फीसद पर पहुंचना दर्शाता है कि प्याज आम लोगों की रसोई से गायब होने लगा है। यही हाल लहसुन और अदरक का भी है। ऐसे में निम्न और मध्य वर्गीय परिवारों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है। आय में वृद्धि अगर महंगाई की गति से कम हो, तो घरेलू बजट को संभालना मुश्किल हो जाता है। इसमें दोराय नहीं कि अगले माह की शुरुआत में जब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होगी, तब नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला करने में महंगाई का यह बढ़ा हुआ स्तर एक प्रमुख कारक साबित हो सकता है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि महंगाई का असर केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहता। जब लोगों की क्रय शक्ति घटती है, तो बाजार में मांग भी प्रभावित होती है। यानी इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। ऐसे में सवाल है कि जब सरकार अक्सर यह दावा करती है कि महंगाई पर उसका नियंत्रण है, तो आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार कैसे बढ़ रहे हैं ? जाहिर है कि इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार को अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों उपाय करने चाहिए खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति सुचारु रखने, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा किसानों को उचित उत्पादन और भंडारण सुविधाएं देने की जरूरत है। साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ाना और आम लोगों की आय में स्थिर वृद्धि सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मगर इसके बजाय सरकार की ओर से यूपी आह के जरिए दो हजार रुपए से अधिक के भुगतान पर शुल्क लगाने के फैसले ने पहले से ही महंगाई से जूझ रहे आम लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया है।

सुरक्षा का सवाल

दिल्ली-एनसीआर में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के सरकार के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। खासकर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हर स्तर पर गंभीरता और संवेदनशीलता का अभाव साफ नजर आता है। गुरुग्राम में हाल ही में एक मोटरसाइकिल सवार युवती को कार से टक्कर मारकर घायल कर देने की घटना ने सड़क पर सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने इस मामले में आरोपी कार चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पीडित युवती का आरोप है कि कार में सवार लोगों ने पहले उसे रुकने का इशारा किया और बाद में उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हालांकि, आरोपों की सच्चाई जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन इससे सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली और सतर्कता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जब सड़क पर खुलेआम महिलाओं के साथ इस तरह की घटनाएं हों, तो जाहिर है कि अपराधियों के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं है। दरअसल, पीड़ित युवती ने सोशल मीडिया पर इस घटना के वीडियो जारी कर आरोपी के उन दावों पर सवाल उठाए हैं कि मोटरसाइकिल को टक्कर जानबूझकर नहीं मारी गई, बल्कि यह एक हादसा था । यह घटना सड़क पर महिलाओं की 'सुरक्षा को लेकर वास्तविकता स्थिति की ओर ध्यान खींचती है। किसी महिला का वाहन चलाते समय पीछा करने, रास्ता रोकने या टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो जाना आपराधिक मानसिकता को दर्शाता है। अगर आज भी महिलाएं निर्भीक होकर सड़क पर न चल सकें, तो यह शासन-प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। सवाल यह भी है कि आखिर अपराधियों के भीतर कानून का खौफ क्यों नजर नहीं आता है? जाहिर है, इसके लिए निश्चित रूप से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही जिम्मेदार है। जब तक पुलिस तंत्र में संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों की जवाब नहीं की जाएगी, तब तक व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाएगा। कहने को सरकार की ओर से सुरक्षा एजेंसियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जा रहा है, लेकिन जब कोई आपराधिक घटना होती है, तो जमीनी स्तर पर इसके कोई प्रभावी नतीजे सामने नहीं आते हैं।

भीलवाड़ा में पहली महिला मेयर की तैयारी, भाजपा ने जसवंत कंवर पर जताया भरोसा

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। नगर निगम की सत्ता पर भाजपा का बहुमत कायम होने के बाद अब महापौर की तस्वीर भी साफ हो गई है। भाजपा ने वार्ड 9 से निर्वाचित जसवंत कंवर (37) को महापौर पद का प्रत्याशी बनाया है। महापौर पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित है और 70 सदस्यीय निगम में भाजपा के 45 पार्षद हैं। ऐसे में 21 सितंबर को होने वाले चुनाव में जसवंत कंवर के भीलवाड़ा की पहली महिला महापौर बनने का रास्ता साफ दिखाई दे रहा है। बुधवार को जसवंत कंवर ने सांसद दामोदर अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, निर्दलीय विधायक अशोक कोठारी, पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी समेत वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर पार्टी ने इसे सर्वसम्मति से लिया गया फैसला बताया। जसवंत कंवर ने नामांकन के बाद कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगी। गुटबाजी के सवाल पर उनका जवाब भी राजनीतिक संदेश वाला रहा"मैं किसी गुट से नहीं हूं, मैं भाजपा की तरफ से हूं। पार्टी में कोई गुट नहीं होता।" पुराने निगम कार्यकाल को लेकर भी उन्होंने टकराव की राजनीति से दूरी का संकेत दिया। कहा, "बीती बातें बिसार दे, अब आगे की सुध ले।" उनके मुताबिक

आगे सभी पार्षदों को साथ लेकर विकास के लिए काम किया जाएगा।

वार्ड 9 की बड़ी जीत से मेयर की दावेदारी तक

पहली बार चुनाव मैदान में उतरीं एमए शिक्षित जसवंत कंवर ने वार्ड 9 में 2,165 वोट के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 2,538 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी खुशबू शर्मा को 373 वोट मिले। चुनाव में भाजपा ने 70 में से 45 वार्ड जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया, जबकि कांग्रेस 10 और निर्दलीय 15 वार्डों में जीते। जसवंत कंवर राजपूत समाज से आती हैं। उनके पति भूपेंद्र सिंह भाजपा के जिला प्रवक्ता हैं और जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के करीबी माने जाते हैं। यही राजनीतिक कनेक्शन भी उनके नाम पर चर्चा के दौरान एक महत्वपूर्ण स्थानीय समीकरण रहा। इधर, वार्ड 10 से जीतीं निर्दलीय संतोष कंवर ने भी महापौर पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। हालांकि भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत है।

कांग्रेस ने मुकाबले से दूरी बनाई

कांग्रेस ने महापौर पद के चुनाव में अपना प्रत्याशी नहीं उतारने का फैसला किया है। शहर जिलाध्यक्ष शिवराम खटीक ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार पार्टी भीलवाड़ा में कांग्रेस के सिंबल पर महापौर का चुनाव नहीं लड़ेगी। इसलिए कांग्रेस की ओर से कोई नामांकन दाखिल नहीं किया गया।

8 नगरपालिकाओं में भी भाजपा के चेहरे घोषित

महापौर के साथ जिले की नगरपालिकाओं के अध्यक्ष पदों के लिए भी भाजपा ने नाम घोषित कर दिए हैं। बनेड़ा से गोपाल चरण सिंह, मांडलगढ़ से श्वेता डांगी, बिजोलिया से स्नेहा तिवाड़ी, बीगोद से लोकेश नागौरी, जहाजपुर से अल्केश वैष्णव, गंगापुर से विंकल सिंघवी, हमीरगढ़ से रेखा परिहार और आसींद से सत्येन्द्र सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया गया है।

चित्तौड़गढ़ में तस्वीर साफ: सुबह 3 पार्षद आए नामांकन करने, दोपहर में भाजपा ने अनिल ईनाणी पर लगाया दांव, कांग्रेस के नागेंद्र राठौड़ मैदान में

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। नगर परिषद में बहुमत हासिल करने के बाद भाजपा ने दिनभर चले मंथन के बाद आखिरकार सभापति पद के लिए वार्ड 15 के पार्षद अनिल ईनाणी को अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया। दिलचस्प यह रहा कि सुबह भाजपा की ओर से 3 पार्षदों ने नामांकन दाखिल कर दावेदारी जताई थी। दोपहर में चुनाव प्रभारी धर्मनारायण जोशी ने ईनाणी को पार्टी का सिंबल सौंपकर तस्वीर साफ कर दी। सुबह ईनाणी के अलावा वार्ड 31 के सुदर्शन रामपुरिया और वार्ड 25 के शैलेंद्र झंवर ने भी सभापति पद के लिए नामांकन दाखिल किया था। 3 नाम सामने आने के बाद पार्टी के भीतर किस चेहरे पर मुहर लगेगी, इसे लेकर दिनभर राजनीतिक हलचल रही। अंततः भाजपा ने ईनाणी को अधिकृत प्रत्याशी बनाया। चुनाव प्रभारी धर्मनारायण जोशी ने कहा कि प्रत्याशी का चयन प्रदेश नेतृत्व, सांसद सीपी जोशी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, जिला संगठन और स्थानीय कार्यकर्ताओं से चर्चा के बाद किया गया। उन्होंने ईनाणी को पार्टी का पुराना और सक्रिय कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि चयन में व्यक्तिगत या जातिगत समीकरण आधार नहीं रहे। 3 नामांकन भी पार्टी की रणनीति का हिस्सा थे और अंतिम निर्णय संगठन को करना था। भाजपा ने 70 सदस्यीय परिषद में 33 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया है। कांग्रेस को 23 और निर्दलीयों को 4 सीटें मिली हैं। ऐसे में भाजपा संख्या बल के लिहाज से मजबूत स्थिति में है। पार्टी नेताओं ने भी सभी पार्षदों के ईनाणी के साथ होने का दावा किया है। दूसरी ओर कांग्रेस ने मुकाबले को औपचारिकता बनने से रोकने के लिए वार्ड 36 के नागेंद्र सिंह राठौड़ को प्रत्याशी बनाया है। उनके नामांकन के दौरान पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत और शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मूंदड़ा सहित कांग्रेस नेता मौजूद रहे। कांग्रेस के सामने चुनौती संख्या बल की है, लेकिन पार्टी ने पार्षदों के बीच समर्थन जुटाने की उम्मीद जताई है। जाड़ावत ने कहा कि यदि भाजपा के कुछ पार्षद कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में आते हैं तो वे उनके भरोसे पर खरा उतरेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सभापति चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी ही नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाएंगे। सभापति चुनाव के बहाने भाजपा ने संगठनात्मक एकजुटता का प्रदर्शन भी किया। नामांकन के दौरान अशोक रायका, हर्षवर्धन रुद, रघु शर्मा, विजयप्रकाश विप्लवी, गौरव त्यागी, गजेंद्र सिंह, सुरेश गाडरी, हीरालाल रायका, नरेंद्र पोखरना और भारत जागेटिया सहित पार्टी के कई नेता मौजूद रहे।

उदयपुर के बापू बाजार में 'उदयपुर चा राजा' का ग्वाल स्वरूप, 200 किलो दूध की खीर का भोग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बापू बाजार में श्री स्वास्तिक गणपति मित्र मंडल की ओर से आयोजित 10 दिवसीय गणपति महोत्सव के तीसरे दिन बुधवार को गणपति बप्पा को ग्वाल स्वरूप में सजाया गया। 20 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा के विशेष श्रृंगार के दौरान बप्पा को साफा, धोती और हाथ में छड़ी धारण कराई गई। साथ ही गाय माता के साथ ग्वाल रूप में विराजित गणपति का मनोरम श्रृंगार किया गया। ग्वाल स्वरूप में बप्पा के दर्शन के लिए बापू बाजार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस मौके पर पंडाल को रंग-बिरंगे और खुशबूदार फूलों से सजाया गया। गणपति बप्पा को 200 किलो दूध से तैयार खीर का भोग लगाया गया। महाआरती के बाद खीर का प्रसाद सैकड़ों भक्तों में वितरित किया गया। मित्र मंडल के वैभव अग्रवाल एवं मुदित साहू ने बताया कि महोत्सव के दौरान सदस्यों और श्रद्धालुओं ने गणपति गीतों पर नृत्य किया। जय कुराडिया, संदीप मंगरौरा, आकाश कंठालिया, मनीष बन्दवाल सहित कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करने के साथ भीड़ व्यवस्था संभाली।

कल 251 तुलसी पौधों का वितरण मंडल की ओर से गुरुवार को पंडाल में 251 तुलसी पौधों का वितरण किया जाएगा। इसके साथ श्रद्धालुओं से अपनी मनोकामना लिखकर एक लिफाफे में गणपति बप्पा के चरणों में रखने और दर्शन के दौरान मन्नत मांगने का आग्रह किया गया है। मंडल के अनुसार इन सभी मनोकामना वाले लिफाफों को गणपति विसर्जन के दिन प्रतिमा के साथ विसर्जित किया जाएगा।

डूंगरपुर में सभापति की कुर्सी पर भाजपा में संग्राम, प्रभु पंड्या और केके गुप्ता की पत्नी सुशीला गुप्ता आमने-सामने

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। नगर परिषद में बहुमत के बावजूद भाजपा में सभापति पद को लेकर तस्वीर अभी पूरी तरह साफ नहीं हुई है। नामांकन के आखिरी दिन भाजपा से पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रभु पंड्या और पूर्व सभापति केके गुप्ता की पत्नी सुशीला गुप्ता ने अलग-अलग नामांकन दाखिल कर दावेदारी पेश की। कांग्रेस की ओर से वार्ड 26 के पार्षद भरत नागदा मैदान में हैं। 40 सदस्यीय नगर परिषद में भाजपा के 24 पार्षद जीते हैं। भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ने वाले सुनील जैन के भी पार्टी के साथ होने से भाजपा का संख्या बल 25 तक पहुंच रहा है। कांग्रेस के 12 और बीएपी के 3 पार्षद हैं। लिहाजा संख्या गणित भाजपा के पक्ष में है, लेकिन पार्टी के भीतर दो नाम सामने आने से अब निगाह अधिकृत प्रत्याशी के फैसले पर टिक गई है।

सुबह प्रभु पंड्या, दोपहर में सुशीला गुप्ता

नामांकन प्रक्रिया में सबसे पहले कांग्रेस के भरत नागदा ने सुबह करीब 10:30 बजे नामांकन दाखिल किया। इसके बाद करीब 11:30 बजे भाजपा के प्रभु पंड्या नगर परिषद पहुंचे और प्रस्तावक के साथ नामांकन पेश किया। पंड्या भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हैं। नामांकन के बाद उन्होंने साफ कहा कि पार्टी ने उन्हें नामांकन करने का आदेश दिया था, इसलिए उन्होंने नामांकन दाखिल किया है। आगे का निर्णय पार्टी करेगी। इसके बाद भाजपा से ही वार्ड 29 की पार्षद सुशीला गुप्ता ने सभापति पद के लिए नामांकन दाखिल कर दिया। वे पूर्व सभापति और स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर केके गुप्ता की पत्नी हैं। दो नाम सामने आने के बाद भाजपा की अंदरूनी राजनीति में मुकाबला चर्चा का विषय बन गया। सुशीला गुप्ता ने भी कहा कि संगठन के आदेश पर उन्होंने नामांकन दाखिल किया है और आगे पार्टी जो फैसला करेगी, वह उन्हें स्वीकार होगा। भाजपा से दो नामांकन होने के सवाल पर भी उन्होंने संगठन के निर्णय को अंतिम बताया।

कांग्रेस ने खेला एक नाम का दांव

कांग्रेस ने शुरुआत से ही एक नाम पर भरोसा जताते हुए भरत नागदा को मैदान में उतारा। नामांकन के बाद नागदा ने शहर के विकास के विजन को आधार बनाकर पार्षदों से समर्थन मांगा और कहा कि सभी पार्षद अपनी "अंतरात्मा की आवाज" के आधार पर मतदान करें। कांग्रेस के पास 12 पार्षद हैं। बीएपी के 3 पार्षदों का समर्थन मिलने की स्थिति में भी संख्या भाजपा के मुकाबले काफी पीछे रहती है। ऐसे में कांग्रेस की चुनौती बहुमत के आंकड़े से ज्यादा भाजपा के भीतर अंतिम समय तक चलने वाले समीकरणों पर टिकी है।

अब भाजपा के अधिकृत चेहरे का इंतजार

डूंगरपुर में असली राजनीतिक पेच यही है कि भाजपा के पास बहुमत स्पष्ट है, लेकिन उसके अपने खेमे से 2 नामांकन सामने आ गए हैं। दोनों दावेदारों का कहना है कि उन्होंने संगठन के निर्देश पर नामांकन किया है। अब पार्टी किसे अधिकृत प्रत्याशी बनाती है, यही अगले चरण की सबसे अहम राजनीतिक तस्वीर होगी।

272 प्लॉट प्रकरण में एक और गिरफ्तारी : मृत पिता के नाम से फर्जी दस्तावेज बनवाए, लीजडीड खुद के नाम कराई, प्लॉट बेचा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर विकास प्रन्यास (UIT) से वर्ष 2004 में नगर निगम को हस्तांतरित किए गए खाली और रद्द भूखंडों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर लीजडीड जारी करवाने के 272 प्लॉट प्रकरण में SOG ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। हिरणमगरी सेक्टर-11 के प्लॉट संख्या 1165-V से जुड़े मामले में पकड़े गए आरोपी की पहचान भंवर सिंह राव (51), निवासी गुगली ग्राम पंचायत आईडाणा, थाना आमेट, जिला राजसमंद के रूप में हुई है।

SOG के अनुसार भंवर सिंह राव ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर प्लॉट से संबंधित जाली दस्तावेज तैयार करवाए। जांच में सामने आया कि इन दस्तावेजों में आरोपी के मृत पिता गुलाब सिंह राव के नाम का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर प्लॉट की लीजडीड नगर निगम उदयपुर से अपने नाम जारी करवाने का आरोप है। लीजडीड अपने नाम होने के बाद आरोपी ने उक्त भूखंड को बेच दिया। SOG के मुताबिक प्लॉट की बिक्री से प्राप्त रकम आरोपी के बैंक खाते में जमा करवाई गई। मामले की जांच पुलिस थाना सूरजपोल में चल रही है और इसी जांच के दौरान भंवर सिंह राव की भूमिका सामने आने के बाद SOG ने उसकी तलाश शुरू की।

जांच में भूमिका सामने आई तो तलाश शुरू हुई

प्रथम दृष्टया अपराध में संलिप्तता प्रमाणित पाए जाने के बाद SOG की टीम आरोपी की तलाश में जुटी रही। DIG भुवन भूषण यादव के सुपरविजन एवं निर्देशन और SP कुंदन कंवरिया के नेतृत्व में ASP मुकेश कुमार सोनी तथा SOG यूनिट उदयपुर की टीम ने लगातार तलाश के बाद भंवर सिंह राव को गिरफ्तार कर लिया। SOG के अनुसार 272 प्लॉट प्रकरण में फर्जी दस्तावेज तैयार कर नगर निगम उदयपुर से भूखंडों की लीजडीड जारी करवाने और बाद में उन्हें बेचने के आरोप में भंवर सिंह राव समेत अब तक 11 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच एजेंसी अब प्रकरण में सामने आए अन्य संदिग्धों और संभावित संलिप्त लोगों की भूमिका खंगाल रही है। साथ ही फर्जी दस्तावेज तैयार करने, नगर निगम से लीजडीड जारी करवाने और संबंधित भूखंडों के लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। SOG की जांच आगे बढ़ने के साथ इस प्रकरण में और लोगों की भूमिका सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

उदयपुर-मदार ट्रेन 8 अक्टूबर को नहीं चलेगी, अजमेर-चंदेरिया रेलखंड पर दोहरीकरण का असर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अजमेर मंडल के अजमेर-चंदेरिया रेलखंड पर चल रहे दोहरीकरण कार्य के चलते अक्टूबर में कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। झड़वासा-बान्दनवाडा और सिंगावल स्टेशनों के बीच नॉन इंटरलॉकिंग ब्लॉक लिया जा रहा है। इसके कारण उत्तर पश्चिम रेलवे ने 5 रेलसेवाओं को अलग-अलग तारीखों में रद्द रखने का निर्णय लिया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, इस ब्लॉक के कारण गाड़ी संख्या 19606 उदयपुर सिटी-मदार रेलसेवा 08 अक्टूबर 2026 को पूरी तरह रद्द रहेगी। ऐसे में इस दिन उदयपुर से मदार जाने वाले यात्रियों को अपनी यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी। इसके अलावा गाड़ी संख्या 17605 काचीगुड़ा-भगत की कोठी 02 और 05 अक्टूबर 2026 को रद्द रहेगी। इसके विपरीत दिशा में चलने वाली गाड़ी संख्या 17606 भगत की कोठी-काचीगुड़ा 04 और 07 अक्टूबर 2026 को नहीं चलेगी। रेलवे ने गाड़ी संख्या 14801 जोधपुर-इंदौर और गाड़ी संख्या 14802 इंदौर-जोधपुर को भी 09 से 11 अक्टूबर 2026 तक रद्द रखने की घोषणा की है। रेलवे के अनुसार, ये बदलाव झड़वासा-बान्दनवाडा व सिंगावल स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण कार्य के लिए लिए जा रहे नॉन इंटरलॉकिंग ब्लॉक के कारण किए गए हैं। यात्रियों से अपील है कि यात्रा से पहले अपनी ट्रेन के संचालन की स्थिति की पुष्टि कर लें।

केंद्रीय कारागृह में बंदी पर प्लास्टिक की बाल्टी से हमला, आंख के नीचे मारी चोट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। केंद्रीय कारागृह में बंदियों के बीच हुए विवाद में बीच-बचाव करने गए एक बंदी पर प्लास्टिक की बाल्टी से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना में बंदी की दाईं आंख के नीचे चोट लगने की बात सामने आई है। मामले में सूरजपोल थाना पुलिस ने BNS की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 14 सितंबर को शाम करीब 4:00 बजे केंद्रीय कारागृह में बंदी कमलेश पुत्र शंकर, निवासी मल्लातलाई, गवरी चौक, अम्बामाता के बिस्तर पर मो. गुलाम पुत्र नासीर आ गया। इस दौरान दोनों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। परिवादी बंदी के अनुसार उसने दोनों के बीच बचाव करने की कोशिश की और झगड़ा नहीं करने की सलाह दी। इससे आरोपी बंदी आक्रोशित हो गया और उसने प्लास्टिक की बाल्टी से परिवादी की दाईं आंख के नीचे और ऊपर वार कर दिया। हमले में उसे चोट आई। घटना को लेकर परिवादी की ओर से 14 सितंबर को रात 8:35 बजे रिपोर्ट दी गई। सूरजपोल थाना पुलिस ने प्रकरण संख्या 24/ 2026 में BNS की धारा 115(2) और 126(2) के तहत मामला दर्ज किया है। सहायक उप निरीक्षक सोहनलाल को जांच अधिकारी बनाया गया है।

खूणादरी में 2 करोड़ की लागत से बनेगी सबमर्सिबल पुलिया, बारिश में कटने वाले आधा दर्जन गांवों को मिलेगी राहत

24 न्यूज अपडेट

बावलवाड़ा। सुलई ग्राम पंचायत के खूणादरी गांव तक पहुंचने वाले मार्ग पर अब बारिश के दिनों में आवागमन बाधित होने की समस्या से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रीय राजमार्ग 927ए से खूणादरी जाने वाले रास्ते पर जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग की योजना के तहत 2 करोड़ रुपए की लागत से सबमर्सिबल पुलिया का निर्माण कराया जाएगा। बुधवार सुबह 10 बजे जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने विधिवत शिलान्यास किया। शिलान्यास कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री खराड़ी ने क्षेत्र के विकास कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने आगामी पंचायत राज चुनाव में भाजपा को विजयी बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को और गति देने के लिए आमजन और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के माध्यम से गांवों में विकास कार्यों को गति देने के लिए भाजपा को मजबूत करना जरूरी है।

पुरानी पुलिया पर बारिश में रुक जाता है रास्ता

ग्रामीणों के मुताबिक खूणादरी मार्ग पर पहले से बनी छोटी पुलिया बारिश के दौरान परेशानी का कारण बनती है। तेज बारिश के बाद पुलिया के ऊपर पानी का बहाव बढ़ने से आवागमन बंद हो जाता है। इसका सीधा असर आसपास के करीब आधा दर्जन गांवों पर पड़ता है और उनका मुख्य सड़क से संपर्क कट जाता है। नई सबमर्सिबल पुलिया बनने के बाद बरसात के दौरान इस मार्ग पर आवागमन पहले की तुलना में सुचारु रहने की उम्मीद है। इसका लाभ स्थानीय ग्रामीणों के अलावा मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं को भी मिलेगा। शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता पूर्व विधायक नानालाल अहारी ने की। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान अमृतलाल डामोर, भाजपा के वरिष्ठ नेता पारस जैन और भाजपा देहात जिला मंत्री अमित कलाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रशासक वंदना देवी, जयदीप जैन, कुरीचन्द चौधरी, खुमानसिंह चौहान, भूपेंद्र व्यास सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जयदीप जैन ने किया।

15 साल से फरार 10-10 हजार के इनामी दंपती महाराष्ट्र से गिरफ्तार, फ्लैट बेचने के नाम पर 16 लाख लेने का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। धानमंडी थाना पुलिस ने करीब 15 साल से फरार चल रहे 2 इनामी आरोपियों को महाराष्ट्र के नेरल से गिरफ्तार किया है। दोनों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार आरोपी दंपती पर फ्लैट बेचने के नाम पर परिवादी से अलग-अलग किश्तों में 16 लाख रुपए लेने और रजिस्ट्री नहीं कराने का आरोप है। कार्रवाई महानिरीक्षक पुलिस रेंज उदयपुर के वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान सुदर्शन चक्र-2 के तहत की गई। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा और नगर पश्चिम के पुलिस उपअधीक्षक राजेश यादव के निर्देशन में थानाधिकारी गजवीर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। तकनीकी सहायता से आरोपियों की लोकेशन का पता लगाकर उन्हें नेरल, महाराष्ट्र से पकड़ा गया।

फ्लैट के सौदे में 16 लाख लेने का आरोप

पुलिस के अनुसार इरशाद अली, निवासी पठानवाड़ी, राजनगर, राजसमंद ने न्यायालय के जरिए धानमंडी थाने में परिवाद पेश किया था। इसमें आरोप लगाया गया कि हकीमुद्दीन बोहरा और उसकी पत्नी शमीमा बोहरा, निवासी 83 गुलाबेश्वर मार्ग, धानमंडी, उदयपुर के सारा विला में स्थित फ्लैट नंबर 01 को बेचने का सौदा किया गया था। 693 वर्गफीट के इस फ्लैट की कीमत 10 लाख रुपए तय होने की बात सामने आई। परिवादी के अनुसार 02 जुलाई 2010 को हुए विक्रय इकरार के बाद आरोपियों ने पहले 2 लाख रुपए लिए। इसके बाद मकान के मूल दस्तावेज किसी अन्य व्यक्ति के पास होने की बात कहकर 29 सितंबर 2010 को 4 लाख रुपए और लिए तथा 100 रुपए के स्टाम्प पर लिखापढ़ी की। इसके बाद भी रजिस्ट्री नहीं हुई। परिवादी के मुताबिक 10 फरवरी 2011 को 6 लाख रुपए और 10 मार्च 2011 को 4 लाख रुपए लिए गए। कुल राशि लेने के बाद दोनों ने मोबाइल बंद कर दिए। फ्लैट पर पहुंचने पर ताला लगा मिला और इसके बाद दोनों अपने पते से फरार हो गए। मामले में धानमंडी थाने पर प्रकरण संख्या 51/ 2011, धारा 420, 406, 120(बी) भादसं में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक लंबे समय से दोनों की तलाश की जा रही थी और बाद में वे धारा 299 सीआरपीसी के तहत फरार घोषित रहे।

तकनीकी निगरानी से महाराष्ट्र तक पहुंची पुलिस

करीब डेढ़ दशक तक आरोपियों के नहीं मिलने के बाद पुलिस ने तकनीकी सहायता से उनकी तलाश आगे बढ़ाई। जांच और निगरानी के आधार पर दोनों के महाराष्ट्र के नेरल में होने की जानकारी मिली। टीम ने वहां दबिश देकर हकीमुद्दीन बोहरा (50) और शमीमा बोहरा (43) को गिरफ्तार किया। मामले में आसूचना अधिकारी कमल कुमार की विशेष भूमिका रही और मार्गदर्शन धानमंडी थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक गजवीर सिंह का रहा। सहायक उप निरीक्षक बीना, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार भी शामिल रहे।

41 जिला प्रमुख पदों पर OBC आरक्षण को लेकर सरकार का हाईकोर्ट में जवाब, कहा- आयोग की रिपोर्ट और सर्वे के आधार पर हुआ निर्धारण

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान में पंचायतीराज चुनाव के दौरान OBC आरक्षण को लेकर चल रहे विवाद के बीच राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए आरक्षण व्यवस्था को नियमों के अनुरूप बताया है। सरकार ने कहा है कि OBC आरक्षण का निर्धारण OBC आयोग की रिपोर्ट, डोर-टू-डोर सर्वे और उपलब्ध जनाधार के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर किया गया। सरकार के मुताबिक SC, ST और OBC को मिलाकर कुल आरक्षण सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा के भीतर रखा गया है। मामला उस याचिका से जुड़ा है जिसमें 41 जिला प्रमुख पदों में OBC के लिए सिर्फ 5 पद आरक्षित किए जाने पर सवाल उठाया गया है। सितंबर की शुरुआत में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा था।

33 से बढ़कर 41 पद, OBC सीटें 5 ही रहने पर विवाद

जिला पुनर्गठन और नए जिलों के गठन के बाद जिला प्रमुख के पदों की संख्या 33 से बढ़कर 41 हो गई। 2020 में 33 जिला प्रमुख पदों में OBC के लिए 5 पद आरक्षित थे। इस बार भी 41 पदों में OBC के लिए 5 पद ही रखे गए हैं। इसी आधार पर याचिकाकर्ता राधेराम गोदारा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर OBC आरक्षण की नए सिरे से गणना की मांग की। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि पदों की संख्या बढ़ने के साथ आरक्षण की आनुपातिक गणना भी होनी चाहिए। 41 पदों के हिसाब से OBC के लिए 5 की जगह 7 पद किए जाने की मांग रखी गई है।

सरकार का गणित- 41 में 20 पद आरक्षित

सरकार ने अपने जवाब में आरक्षण का गणित सामने रखते हुए कहा कि 41 जिला प्रमुख पदों में' SC के लिए 8 पद ' 18.51 प्रतिशत ST के लिए 7 पद ' 17.09 प्रतिशत OBC के लिए 5 पद ' 16 प्रतिशत आरक्षित किए गए हैं। इस तरह कुल 20 पद आरक्षित हैं, जो 41 का 48.78 प्रतिशत है। सरकार का कहना है कि यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा के भीतर है। इसलिए मौजूदा व्यवस्था में OBC के लिए आरक्षित जिला प्रमुख पदों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता नहीं है।

OBC आयोग ने सर्वे के आधार पर की सिफारिश

सरकार ने हाईकोर्ट को बताया कि OBC आरक्षण का निर्धारण केवल पुराने आंकड़ों के आधार पर नहीं किया गया। इसके लिए OBC आयोग ने डोर-टू-डोर सर्वे कराया और उपलब्ध जनाधार डेटा का विश्लेषण किया। आयोग की सिफारिश के आधार पर ही आरक्षण तय किया गया। पंचायतीराज चुनाव के लिए OBC आयोग की सिफारिशों में 41 जिला परिषदों के 1,403 वार्डों में से 192 वार्ड OBC के लिए आरक्षित करने की सिफारिश का भी उल्लेख सामने आया है। 13 अगस्त को 41 जिला परिषदों के जिला प्रमुख पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी निकाली गई थी। इसमें जालौर, बूंदी और खैरथल-तिजारा को OBC तथा ब्यावर और सीकर को OBC महिला वर्ग के लिए आरक्षित किया गया। लॉटरी के बाद OBC आरक्षण को लेकर सवाल उठे और मामला हाईकोर्ट पहुंचा। अदालत ने सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि जिला प्रमुख के पद बढ़ने के बावजूद OBC आरक्षित पदों की संख्या में बदलाव क्यों नहीं किया गया।

हिस्ट्रीशीटर दिलीप नाथ पर बड़ी कार्रवाई, करीब 1 करोड़ की सरकारी जमीन से हटाया अवैध अतिक्रमण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अपराधियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत उदयपुर पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त अभियान में हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर दिलीप नाथ और उसके साथियों द्वारा सरकारी जमीन पर किए गए अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। पुलिस के अनुसार अतिक्रमण वाली भूमि की कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई गई है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में की गई। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र के अपराधियों और हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ कार्रवाई के क्रम में सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को चिन्हित कर पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार दिलीप नाथ पुत्र नारायण नाथ, उम्र 38 वर्ष, निवासी सीसारमा हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर है। उसके और उसके साथियों की ओर से सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण को कार्रवाई के दौरान हटाया गया। पुलिस और प्रशासन की इस संयुक्त कार्रवाई में अवैध निर्माण और अतिक्रमण को पूरी तरह ध्वस्त किया गया। करीब 1 करोड़ रुपए मूल्य की सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की कार्रवाई को पुलिस अपराधियों के खिलाफ जारी अभियान का हिस्सा बता रही है।

खास विश्लेषण : संघ का स्पर्श पा सोना बने हठयोगी पारस। उत्तम क्षमा दिवस पर आंसूओं में भीगे खुशी के पल। गुलाबी युग का हो गया 'खमतखामणा' वाला अवसान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आज उत्तम क्षमा दिवस पर संघ का स्पर्श पाकर बरसों से राजनीति का हठयोग कर रहे दिग्गज नेता पारस सिंघवी अपने निगम मेयर के पथ पर अग्रसर हो चले। आज नामांकन के साथ ही अबूझ पहली का भी पटाक्षेप हो गया कि भाजपा का मेयर का प्रत्याशी कौन होगा। आज सुबह तक जो नाम हवा में तैर रहे थे वे सब पीछे छूट गए और पारस की हवा का एक झोंका सब पर छा गया। अब तक अलग'अलग पदों को स्पर्श पाने के बावजूद पारस मनचाहे पद के लिए हर बार पत्थर होते रहे। क्योंकि भाई साहब के अदावत के चलते हर बार कीमत चुकानी पड़ी। मगर आज उत्तम क्षमा दिवस पर उदयपुर की भाजपा की राजनीति ने नई करवट ली। भाई साहब के युग का अवसान हो गया। उदयपुर नगर निगम के मेयर पद को लेकर दो दिनों से चल रही अंदरूनी सियासत आखिरकार उस मोड़ पर पहुंच गई, जहां दावेदारों की लंबी कतार के बीच पूर्व उपमहापौर पारस सिंघवी का नाम अचानक सबसे ऊपर आ गया। 53 पार्षदों के बहुमत के बावजूद मेयर चुनने के लिए भाजपा में ऐसा घमासान मचा कि अंदरखाने कोई कोर कसर बाकी नहीं रही। दावेदारों ने हर राजनीतिक अस्त्र का प्रयोग कर लिया। संगठन, स्थानीय नेतृत्व और प्रदेश स्तर के राजनीतिक संकेतों के बीच संतुलन साधने की बहुत कठिन कवायद की गई। पार्टी के भीतर दिनेश भट्ट और प्रमोद सामर के नामों को लेकर चली खींचतान के बीच जब पारस सिंघवी का नाम आगे किया गया तो यह साफ हो गया कि बहुत लंबे अरसे बाद उदयपुर की भाजपा की राजनीति पर एक बार फिर संघम् शरणं गच्छामी का मूल मंत्र जपा गया है। संघ को चाहिए था तेज तर्रार नाम, भट्ट साहब भी फिट बैठ रहे थे मगर पारस जी के बायोडेटा में मेयर के पिछले कार्यकाल में वर्चुअल मेयर बनकर काम करने का जो अनुभव था वो भारी पड़ गया। नामांकन के समय छलके आंसू आज बीते पलों की गवाही देते नजर आए। पारस सिंघवी अपनी रूलाई को बार'बार नहीं रोक सके। ऐसा लगा उन्होंने अपनी कठिन विजय का आंसूओं से शृंगार किया। पारस सिंघवी के आंसूओं ने यह भी संकेत दिया कि भाजपा जो अनुशासित पार्टी दिखाई देती है उसके भीतर कितना घमासान मचा हुआ है। जो साथ दिखते हैं दरअसल वो होते नहीं है और जो होते हैं वो दिखते नहीं। कई धोखों के बाद भी खुश दिखते रहने वाले फोटोजनिक मोमेंट आज आंसूओं से धुलते नजर आ गए।

राह नहीं थी आसान, पग पग पर बिछे थे गुलाब के कांटे

पारस सिंघवी की राह किसी एक गुट के समर्थन से बनी, ऐसा कहना जल्दबाजी होगा। पूरे राजनीतिक परिदृश्य को देखें तो उनके पक्ष में सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि वे लंबे समय से संगठन और स्थानीय राजनीति के बीच सक्रिय चेहरा बने हठयोगी की तरह। वार्ड 24 से उनकी 1,680 वोट की जीत ने इसे और विराट आधार दे दिया।

भट्ट और सामर को पछाड़ने का भागीरथ प्रयास

मेयर पद की दौड़ में प्रमोद सामर और दिनेश भट्ट बहुत ही मजबूत नाम माने जा रहे थे। एक आरएसएस को अपनी रग रग में समाए बैठे थे तो दूसरे सबको बरसों से साधे बैठे थे। दोनों अपने-अपने राजनीतिक संपर्कों और संगठनात्मक आधार पर मैदान में डटे थे। पार्टी ने पार्षदों से जब तीन-तीन पसंदीदा नाम लिखवाकर राय जानने की औपचारिक प्रक्रिया अपनाई तब भी यही सामने आया कि रायशुमारी भी बिखरी हुई है। जब दावेदारों के बीच सहमति का रास्ता डेडलॉक तक पहुच गया तो उसके बाद पारस सिंघवी ने लास्ट मिनट गोल कर दिया। वे ऐसा विकल्प बनकर उभरे जिस पर सभी खेमों के बीच सहमति बना दी गई। उदयपुर की भाजपा की राजनीति में इसे माइल स्टोन कहना गलत नहीं होगा। आरएसएस की ओर से सिंघवी को आगे करना सिर्फ एक व्यक्ति का चयन नहीं, बल्कि दो प्रभावशाली दावेदारियों के बीच तीसरे राजनीतिक केंद्र को स्थापित करना भी माना जा रहा है।

RSS की भूमिका की चर्चा, लेकिन आधिकारिक तस्वीर अलग

पार्टी के भीतर चर्चा रही कि स्थानीय स्तर पर संघ से जुड़े प्रभावशाली लोगों का झुकाव सिंघवी के पक्ष में था और संगठनात्मक स्तर पर मध्यस्थता के बाद उनका नाम आगे बढ़ा। इसकी बूंद बूंद सिंचाई पारस सिंघवी बरसों से कर रहे थे। संघ-संगठन के बीच बेहतर स्वीकार्यता वाले इस चेहरे के तौर पर सिंघवी के उभरने के रूप में इसे देखना ज्यादा सटीक होगा।

प्रदेश की सियासत से स्थानीय फैसले तक पहुंचे संकेत

उदयपुर की मेयर की कुर्सी का फैसला स्थानीय लग रहा है लेकिन इसके राजनीतिक संकेत जयपुर ही नहीं केंद्र तक भी जाते हैं। सतीश पूनिया, अलका मूंदड़ा, मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से जुड़े राजनीतिक संपर्कों को लेकर भाजपा में अलग-अलग स्तर पर तीन गुटों के लिए फिल्डिंग की चर्चाएं चलती रही हैं। किस नेता ने किस स्तर पर किसके पक्ष में पैरवी की यह सबको पता है लेकिन जिस तरह अंतिम चरण में मुकाबला दो प्रमुख नामों से हटकर पारस सिंघवी तक पहुंचा, उससे स्पष्ट हो गया कि निर्णय में सीएम स्तर पर दखल दी गई।

क्या भाई साहब के युग का हो गया अवसान

उदयपुर भाजपा की राजनीति लंबे समय तक भाई साहब के प्रभाव के इर्द-गिर्द देखी जाती रही है। भाई साहब ने उदयपुर में खुद फिल्डिंग बिछाई अपने पुराने क्षत्रपों को तैनात किया और विधायक जैन के माध्यम से प्रयास रहे कि किसी भी तरह को पारस को सोना बनने से रोका जाए, मगर प्रयास विफल हो गए। पारस सिंघवी का मेयर पद तक पहुंचना उदयपुर भाजपा के भीतर नेतृत्व के बदलते संतुलन के रूप में देखा जा रहा है। सीधे तौर पर इसे भाई साहब के युग का अंत कहा जा सकता है नगर निगम की राजनीति में पुराने प्रभाव-केंद्रों का दौर अब चला गया, पारस और उनके पीछे आरएसएस अब नए शक्ति-केंद्र भी उभर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के रोड शो में किसको हड़काया गया???

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के उदयपुर दौरे और स्थानीय नेताओं के साथ उनकी बातचीत को भी अब मेयर चयन के घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है। टिकट वितरण के दौरान एक होटल वाले नेताजी को उपर से आदेश के बावजूद टिकट नहीं देना भारी पड़ गया। बताया गया कि सीएम नाराज चल रहे थे और उसके चलते इसका खामियाजा प्रमोद सामर गुट को उठाना पड़ गया। फाइल्स के चलते पहले से दबाव झेल रहा एक पक्ष आज नामांकन से पहले कोर्ट के फैसले आई खबरों को लेकर भी असहज दिखा। नामांकन के दौरान ओप्टिक्स के लिए खिंचवाए फोटो से शहर विधायक का गायब होना भी साफ संकेत दे गया कि अब उत्तम क्षमा दिवस पर ही क्षमापना का समय आ गया है।

बांसवाड़ा में सभापति भाजपा ने मुकेश रावत के नाम की मुहर

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। नगर परिषद के सभापति पद को लेकर पिछले कुछ दिनों से चल रही अटकलों पर बुधवार को भाजपा ने विराम लगा दिया। पार्टी संगठन ने मुकेश रावत के नाम पर मुहर लगाते हुए उन्हें सभापति पद का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष पुंजिलाल गायरी ने पार्टी कार्यालय में उनके नाम की घोषणा की। इसके बाद रावत ने नगर परिषद पहुंचकर एसडीएम के समक्ष नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष हकरू मईड़ा, पूर्व मंत्री भवानी जोशी सहित पार्टी के नेता मौजूद रहे। इससे पहले रावत को बाड़ेबंदी से भाजपा कार्यालय लाया गया, जहां उन्होंने जिलाध्यक्ष पुंजिलाल गायरी के साथ गणपति प्रतिमा की पूजा-अर्चना की। इसके बाद संगठन की ओर से उनके नाम का ऐलान किया गया। सभापति पद के मुकाबले में कांग्रेस ने वार्ड 17 से निर्वाचित गौतम मईड़ा को उतारा है। उन्होंने भी बुधवार को नामांकन दाखिल कर भाजपा प्रत्याशी के सामने दावेदारी पेश की। कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष अब्दुल गफ्फार ने नामांकन के बाद पार्टी प्रत्याशी के संबंध में जानकारी दी।

पहले शपथ, फिर नामांकन

सभापति प्रत्याशी बनाए गए मुकेश रावत ने नामांकन से पहले प्रस्तावक मयंक जैन और चांदनी जैन के साथ पार्षद पद की शपथ ली। इसके बाद एसडीएम ने उन्हें पार्षद का निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा। प्रमाण पत्र मिलने के बाद उन्होंने सभापति पद के लिए नामांकन दाखिल किया। भाजपा नेताओं ने संगठन की एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि पार्टी की रीति-नीति और अनुशासन के साथ सभी को साथ लेकर बांसवाड़ा के विकास को आगे बढ़ाया जाएगा।

परिषद के बाहर सुरक्षा का घेरा

नामांकन के दौरान नगर परिषद कार्यालय के बाहर भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा। एहतियात के तौर पर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी, ताकि नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हो सके। अब सभापति चुनाव में भाजपा के मुकेश रावत और कांग्रेस के गौतम मईड़ा के बीच सीधा मुकाबला है। भाजपा संगठन द्वारा रावत के नाम की घोषणा के साथ ही पार्टी की ओर से चल रही संभावित दावेदारों की चर्चा पर विराम लग गया है। वहीं कांग्रेस ने एक नाम के साथ मैदान में उतरकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।

अलसुबह उदयपुर पुलिस का महाअभियान: 572 ठिकानों पर दबिश, 156 गिरफ्तार, 180 पावर बाइक जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अपराधियों और अवैध गतिविधियों के खिलाफ उदयपुर पुलिस ने जिलेभर में एक साथ रेड और एरिया डोमिनेशन का बड़ा अभियान चलाया। अलसुबह अचानक की गई इस कार्रवाई में NDPS एक्ट, आर्म्स एक्ट, हिस्ट्रीशीटर, हार्डकोर अपराधी, वारंटी, पूर्व में चालानशुदा और वांछित अपराधियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया। पुलिस ने इस दौरान 572 ठिकानों पर दबिश देकर 156 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि अवैध व संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े 180 पावर बाइक जब्त की गईं। पुलिस के अनुसार अभियान में जिलेभर की 108 टीमों के 610 पुलिसकर्मी शामिल रहे। सभी टीमों ने एक साथ और अचानक कार्रवाई करते हुए चिन्हित अपराधियों के घरों और संभावित ठिकानों की जांच की। इसके साथ ही अलग-अलग इलाकों में संदिग्ध और अवैध वाहनों की सघन चेकिंग भी की गई।

82 हिस्ट्रीशीटर और 2 हार्डकोर अपराधियों के घर दबिश

अभियान के दौरान पुलिस का विशेष फोकस जिले के आदतन और सक्रिय अपराधियों पर रहा। पुलिस टीमों ने 2 हार्डकोर अपराधियों और 82 हिस्ट्रीशीटरों के घरों पर दबिश दी। उनकी वर्तमान गतिविधियों के साथ संपत्ति से संबंधित जानकारी भी जुटाई गई। पुलिस ने पिछले 3 वर्षों में NDPS एक्ट के मामलों में चालानशुदा रहे अपराधियों की गतिविधियों की भी जांच की। मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर अचानक पहुंचकर पूछताछ की गई। इसी तरह आर्म्स एक्ट के मामलों में पूर्व में चालानशुदा आरोपियों, अवैध हथियार रखने या उनकी तस्करी तथा हवाई फायरिंग जैसे मामलों में शामिल रहे लोगों की भी सघन चेकिंग की गई। बॉडी ऑफेंस के आरोपियों पर भी नजर मारपीट, जानलेवा हमला और शरीर के विरुद्ध अन्य अपराधों में पूर्व में लिप्त रहे आरोपियों के ठिकानों पर भी पुलिस पहुंची। पुलिस टीमों ने इन अपराधियों की वर्तमान स्थिति की जानकारी जुटाने के साथ उन्हें थानों पर बुलाकर पूछताछ की। इसके अलावा वारंटी, पूर्व में चालानशुदा, वांछित अपराधियों और संवेदनशील इलाकों में सक्रिय संदिग्धों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। 108 टीमों ने एक साथ संभाला मोर्चा यह अभियान जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश औझा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मुकुल शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा रजत बिश्नोई के सुपरविजन में जिले के सभी वृताधिकारियों और थानाधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने कार्रवाई की।

प्रतापगढ़ सभापति चुनाव: कांग्रेस की ज्योति सोनी vs भाजपा की मनीषा जैन, 3 निर्दलीयों के हाथ में सत्ता की चाबी

24 न्यूज अपडेट

प्रतापगढ़। नगर परिषद चुनाव के नतीजों के बाद अब प्रतापगढ़ में सभापति पद को लेकर सियासी तस्वीर साफ होने लगी है। 40 सदस्यीय नगर परिषद में कांग्रेस ने 20 और भाजपा ने 17 वार्डों में जीत दर्ज की है, जबकि 3 निर्दलीय पार्षद भी चुनाव जीतकर परिषद में पहुंचे हैं। ऐसे में दोनों प्रमुख दल बहुमत के लिए निर्दलीय पार्षदों के समर्थन पर निर्भर हैं। सभापति पद के लिए कांग्रेस की ओर से वार्ड-13 की ज्योति सोनी और भाजपा की ओर से वार्ड-35 की मनीषा जैन ने नामांकन दाखिल किया है। सभापति पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित है। उपलब्ध चुनाव कार्यक्रम के अनुसार सभापति का चुनाव 21 सितंबर को प्रस्तावित है।

21 का आंकड़ा, दोनों दल बहुमत से दूर

परिषद में कुल 40 पार्षद हैं और बहुमत के लिए 21 पार्षदों का समर्थन चाहिए। कांग्रेस 20 सीटों के साथ बहुमत से सिर्फ एक सीट दूर है। भाजपा के खाते में 17 सीटें हैं, जबकि 3 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं। यानी कांग्रेस को बहुमत तक पहुंचने के लिए कम से कम 1 अतिरिक्त समर्थन चाहिए, जबकि भाजपा को 4 पार्षदों का समर्थन जुटाना होगा। यही वजह है कि तीनों निर्दलीय पार्षद सभापति चुनाव के समीकरण में महत्वपूर्ण हो गए हैं।

कांग्रेस ने ज्योति सोनी पर लगाया दांव

कांग्रेस ने वार्ड-13 से निर्वाचित ज्योति सोनी को सभापति पद का प्रत्याशी बनाया है। वार्ड-13 के चुनाव में ज्योति सोनी ने भाजपा की समता डोसी को 343 वोटों से हराया था। उपलब्ध परिणाम में ज्योति सोनी को 603 वोट मिले, जबकि समता डोसी को 260 वोट मिले। 20 पार्षदों के साथ कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई है। अब पार्टी के सामने अपने सभी पार्षदों को एकजुट रखने के साथ एक अतिरिक्त समर्थन हासिल करने की चुनौती है।

भाजपा की मनीषा जैन मैदान में

भाजपा ने वार्ड-35 की पार्षद मनीषा जैन को सभापति पद का उम्मीदवार बनाया है। वार्ड-35 में मनीषा जैन ने कांग्रेस के मनोज सांखला को 72 वोटों से पराजित किया था। परिणाम के अनुसार मनीषा जैन को 398 वोट मिले और उन्होंने वार्ड में जीत दर्ज की। भाजपा के 17 पार्षद होने के कारण पार्टी को बहुमत के लिए अपने मौजूदा संख्या से 4 अतिरिक्त समर्थन जुटाना होगा। ऐसे में निर्दलीय पार्षदों के साथ दूसरे खेमे से समर्थन हासिल करने की कोशिश भी चुनावी समीकरण का हिस्सा बन सकती है।

तीन निर्दलीय, इनमें 2 भाजपा और 1 कांग्रेस से बगावत कर जीते

प्रतापगढ़ के नतीजों में 3 निर्दलीय पार्षद चुने गए हैं। वार्डवार परिणाम में वार्ड-9 से मुकेश कुमार, वार्ड-10 से प्रहलाद गुर्जर और वार्ड-39 से आनंद गुर्जर निर्दलीय विजेता रहे। आपके दिए राजनीतिक विवरण के अनुसार इन निर्दलीयों में भाजपा के 2 और कांग्रेस का 1 बागी चेहरा शामिल है। यही समीकरण दोनों दलों की रणनीति को और पेचीदा बनाता है।

कांग्रेस के लिए 20 को बचाए रखना अहम

कांग्रेस भले ही सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है, लेकिन उसके पास अपने दम पर बहुमत नहीं है। पार्टी को अपने 20 पार्षदों को एकजुट रखने के साथ कम से कम एक अतिरिक्त वोट हासिल करना होगा। दूसरी ओर भाजपा के लिए गणित ज्यादा चुनौतीपूर्ण है'उसे 17 से सीधे 21 के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 4 अतिरिक्त समर्थन चाहिए।

ऐसे में सभापति चुनाव केवल कांग्रेस बनाम भाजपा का मुकाबला नहीं रह गया है। तीन निर्दलीय पार्षदों का रुख और दोनों दलों के भीतर का अनुशासन अंतिम समीकरण में अहम रहेगा।

नाबालिग को फोटो वायरल करने की धमकी देकर 2.80 लाख और 7 तोला सोना हड़पा, दो आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नाबालिग पीड़िता को उसकी फोटो एडिट कर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने और नकदी व सोने के आभूषण हड़पने के मामले में सविना थाना पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से कथित तौर पर वारदात की रकम से खरीदी गई रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने नाबालिग पीड़िता को उसकी फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। डराने-धमकाने के जरिए उससे 2,80,000 रुपए नकद और करीब 7 तोला सोने के आभूषण ले लिए गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने सविना थाने में शिकायत दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी गौरव और सह-आरोपी विकास को गिरफ्तार किया। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर ब्लैकमेलिंग के पूरे घटनाक्रम, रकम और आभूषणों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। आरोपियों के खिलाफ BNS और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि बरामद रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल कथित तौर पर वारदात से प्राप्त रकम से खरीदी गई थी।

एसपी के निर्देशन में कार्रवाई

कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा तथा वृताधिकारी नगर पूर्व छवि शर्मा के सुपरविजन में की गई। कार्रवाई का नेतृत्व सविना थानाधिकारी दलबीर सिंह ने किया। टीम में सहायक उप निरीक्षक मोहनलाल, हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह, कांस्टेबल राजेन्द्र प्रसाद सैनी और कांस्टेबल छगनलाल शामिल रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।